राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन छत्तीसगढ

जनवरी २०१६

सर्व शिक्षा अभियान, छत्तीसगढ़

अंक-1

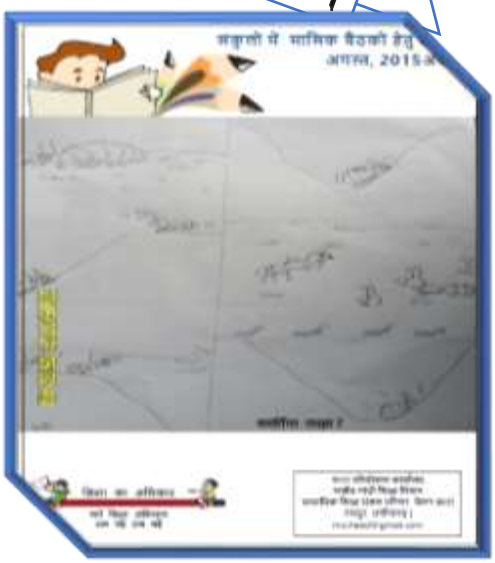

संकुल स्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु चर्चा पत्र

l:i d! g:r| b:e:y & mis.head@gmail.com

डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

fiz; lkfFk;ksa]

देखते ही देखते 2015 चला गया और हम 2016 के स्वागत में तैयार खड़े हैं। पिछले वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग में बहुत से नए कदम उठाए गए। बहुप्रशिक्षित आदिवासी विकास विभाग के शालाओं को स्कूल शिक्षा में मर्ज किया गया। गुणवत्ता शिक्षा के लिए ÞMkW- ,-ih-ts- vCnqy dykeÞ शिक्षा गुणवत्ता अभियान चलाया गया। CSR मद से सभी शालाओं में युद्धस्तर पर शौचालय निर्माण किया गया। हमारे बैठकों के लिए चर्चा पत्र की शुरूआत भी गत वर्ष हुई।

नए वर्ष में सभी कुछ न कुछ वायदे करते हैं, आइए इस वर्ष सभी अपने आप से वायदा करें कि संकुल व्यवस्था में सुधार करते हुए उनके माध्यम से अपने पूरे संकुल में गुणवत्ता सुधार करें। आपका लिया हुआ यह संकल्प निश्चित रूप से प्रदेश की शिक्षा में सुधार हेतु महत्वपूर्ण कदम होगा। अपने संकुल में अच्छा कार्य करने से कभी किसी ने टोका नहीं है। अकादमिक सुधार के लिए सबसे पहले अकादमिक समस्याएं जानने की आवश्यकता होती है। पिछले माह लगभग 200 संकुल समन्वयकों से मुलाकात की। सबसे एक ही सवाल पूछा– Þvkidk lcls eq[; dke D;k gS\Þ सबका एकमत यही जवाब था– "शिक्षकों की अकादमिक समस्याओं को हल करना।" पर दुर्भाग्य अगला प्रश्न– Þfdruh vdknfed leL;kvksa dk gy fd;k \Þ एक का भी नाम नहीं? हल नहीं किया तो कितने समस्याओं को पहचाना, देखा–पर भी मौन। 15 से 20 वर्ष के अनुभव वाले संकुल समन्वयक भी मौन।

हम सबको ऐसी स्थिति से तत्काल निपटने की आवश्यकता है। हमें जो काम करना है, जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका निर्वहन ठीक तरीके से करना चाहिए। किसी पर दोष या आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। नए वर्ष से कमर कसके अपने संकुल में सुधार के लिए चिंतन करें और योजना बनाएं। ठोस योजना के साथ नए वर्ष में मैदान में उतरें। आपकी सुविधा कि लिए इस बार के अंक में हम कुछ अकादमिक समस्याओं की सूची दे रहे हैं। आप अपने PLCs को इन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य दे सकते हैं।

कुछ संकुल चर्चापत्र के आधार पर अपनी शालाओं में बहुत कुछ कार्य कर रहे हैं, वे लगातार अपनी शालाओं में सुधार ला रहे हैं, ऐसा हमारे बहुत से संकुलों में हो रहा है, पर वे उसे SHARE नहीं कर रहे हैं। पुनः अनुरोध है कि संकुल की अच्छी बातों, अच्छे शिक्षकों की जानकारी हमसे SHARE करें।

!!सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं!!

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

एजेंडा 1: अब तक किए कार्यों की समीक्षा:

माह जून से चर्चा पत्रों का दौर शुरू हुआ है | अब तक आपके संकुल में इनमें से कौन कौन से कार्य शुरू हुए हैं और नियमित रूप से चल रहे हैं-

1. क्या शाला प्रबन्धन समिति की बैठकों में शैक्षिक मुद्दों पर चर्चा शुरू हुई ?
2. क्या बच्चों ने अपनी शाला के लिए नियमित रूप से प्रतिमाह वाल मैगजीन बनाना शुरू कर दिया है ?
3. क्या शाला में बच्चे कागज़ के खिलौने/ मुखौटे बनाकर आनन्द लेने लगे हैं ?
4. क्या शाला में शाला विकास योजना बनी है और उसी के अनुरूप कार्य होने लगा है ?
5. क्या सभी शिक्षक अपनी पाठ योजना बनाकर प्रधानाध्यापक से अनुमोदन लेकर उसी अनुरूप पढाते हैं ?
6. क्या शिक्षकों ने एक दूसरे से सीखने के लिए सक्रिय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाई है ?
7. क्या शाला के सभी बच्चे कक्षानुरूप अपेक्षित दक्षताएं प्राप्त करने लगे हैं ?
8. क्या बच्चों के रचनात्मक कौशल के विकास के लिए शिक्षक प्रयास करने लगे हैं ?
9. क्या शाला में प्रिंट रिच एवं सीखने का वातावरण है ?
10. **क्या माह अक्तूबर में दी गए प्रश्नपत्रों के नमूनों के अनुसार और प्रश्न तैयार कर बच्चों से अभ्यास किया जा रहा है ?**

अपने संकुल की विभिन्न शालाओं में उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर स्थिति की समीक्षा करें | बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड के बेलतरा संकुल में संकुल समन्वयक श्री श्यामरतन कौशिक एवं शिक्षकों ने मिलकर चर्चा पत्र के आधार पर अपने संकुल की शालाओं में आशानुरूप परिवर्तन का कार्य नियमित रूप से करते हैं | यहाँ संकुल में विभिन्न शिक्षकों को चर्चा पत्र के एजेंडा को बांटकर जिम्मेदारी दी जाती है | शिक्षकों ने शाला के लिए बढ़िया सा पुस्तकालय बनाया है और फर्नीचर की व्यवस्था की है | बच्चे मुखौटों का नियमित इस्तेमाल करते हैं | इनके अलावा और भी बहुत से सुधार कार्य इनके संकुल में होना बताया गया है |

इस संकुल की शिक्षिका संध्या सोनी का कहना है कि जबसे उन्हें चर्चा पत्र मिलने लगा है, उनके संकुल में अकादमिक मुद्दों पर रोचक चर्चा होने लगी है | वे इसमें सुझाए गए बातों को अपनी अपनी शाला में करने लगे हैं | प्रतिमाह इनके संकुल के शिक्षकों को चर्चा पत्र का इन्तजार रहता है |

एजेंडा 2: गणित सप्ताह के दौरान किए जा रहे कुछ प्रयास:

दिसंबर २२ से हमने सभी जिलों को गणित आधारित कुछ कार्यक्रम के आयोजन के लिए सुझाव दिए थे | बच्चों में गणित विषय का डर दूर करने एवं रूचि विकसित करने के उद्देश्य से जिलों में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं | चलिए देखें, कुछ झलकियाँ –

आपने अपने संकुल की शालाओं में गणित के प्रति रूचि विकसित करने हेतु क्या क्या प्रयास किया ? संपर्क फाउंडेशन व्दारा आयोजित मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को आमंत्रित कर प्रारंभिक गणित के बारे में जानकारी लेने की व्यवस्था कर सकते हैं | चर्चा करें कि गणित सीखने-सिखाने में सुधार हेतु और क्या क्या किया जा सकता है ?

माथापच्ची

विक्रम और रंजीता कंचे खेल रहे थे | रंजीता ने विक्रम से कहा, "अगर तुम मुझे एक कंचा दे दो तो हम दोनों के पास बराबर कंचे हो जाएंगे |"

विक्रम ने झट से जवाब दिया, "अगर तुम मुझे एक कंचा दे दो तो मेरे पास तुमसे दुगुने कंचे हो जाएंगे |"

कोई हमें यह बताए कि उन दोनों के पास कितने-कितने कंचे रहे होंगे ?

एजेंडा 3: तीसरे बकरे की खोज:

एक गांव में एक बड़ा से स्कूल खुला। स्कूल वालों ने गांव में दूरी बनाकर रखी थी। वे अपने आपको गांव के मामलों से बिल्कुल अलग रखते थे। गांव वालों को उनके क्षेत्र में बने स्कूल से कोई जुड़ाव न हो पाने से थोड़ी नाराजगी थी। एक दिन गांव के कुछ पढ़े–लिखे नौजवानों में मन में कुछ शरारत सुझी।

उन्होंने छुट्टी के दिन गांव से तीन बकरे पकड़े। उनके पेट में रंग से बड़े आकार में संख्या लिखी, बकरा नंबर 01, बकरा नंबर 02, बकरा नंबर 04,। जानबूझकर बकरा नंबर 03 नहीं लिखा। तीनों बकरों को स्कूल की गेट के भीतर छोड़ दिया। अगले दिन सुबह जब स्कूल खुला तो चौकीदार ने परिसर में बकरे देखे, बच्चे बसों से आने लगे, प्रार्थना स्थल को बकरों ने गंदा कर दिया था। बकरों की तलाश शुरू हुई, शिक्षकों एवं बच्चों ने तीन बकरों को खोजकर निकाल लिया। लेकिन प्राचार्य ने देखा कि उन पर संख्याएं लिखी गई है। सभी को यह लगा कि एक बकरा और अंदर होगा। बकरा नंबर 03 नहीं मिल रहा है। खोज शुरू हुई– कमरे, अलमारी, मैदान और सभी जगह। इस हड़बड़ी में प्राचार्य ने बच्चों की छुट्टी कर दी। दिन भर तीसरे बकरे की खोज होती रही (पर होता तब तो मिलता)। सबका समय और ऊर्जा व्यर्थ गई। कुछ हासिल नहीं हुआ।

अब जरा हमारे शिक्षक प्रशिक्षणों के बारे में सोचें। हमारे बीच भी कई लोग तीसरे बकरे की खोज में लगे रहते हैं। जरा सोचें कि ऐसा यदि एक मिनट के लिए भी हो तो 40 लोगों के प्रशिक्षण में 40 मिनट खराब होता है। स्कूल से दूर रहने से बच्चों का नुकसान अलग। इसलिए अपने बीच से तीसरे बकरे को खोजने के लिए प्रेरित करने वाले लोगों को पहचानें और उन्हें नियंत्रित करें।

!!u, lky ls izf'k{k.k dk vf/kdre ykHk yus dk iz;kl djs **और उन्हें कक्षा में इस्तेमाल करें!!**

प्रशिक्षण में शिक्षक मास्टर ट्रेनर्स के समक्ष अपने प्रशासनिक समस्याओं का जिक्र करते नहीं थकते जबकि मास्टर ट्रेनर्स के हाथ में उनके प्रशासनिक समस्याओं को हल करने का कोई अधिकार नहीं है |

एक प्रशिक्षण में किसी ने हिन्दी भाषा में बिंदु के उपयोग से अलग अलग ध्वनि (अंबर/ जंगल/ शंकर/ बंधन/ संजय.....) का मुद्दा उठाया और पूरे दिन उसी पर चर्चा होती रही | प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण मुद्दों को छोड़ दिया गया |

प्राथमिक कक्षाओं में अंग्रेजी शिक्षण हेतु रेडियो कार्यक्रम English is Fun के प्रशिक्षण के दौरान बहुत से शिक्षक कार्यक्रम के प्रसारण समय को लेकर बहुत लंबी चर्चा करते हुए अनावश्यक समय नष्ट करते देखे गए | दो पाली के शालाओं में इस कार्यक्रम को सुनाए जाने के मुददे को लेकर चर्चा छेडी जाती थीं और जब कितनी शालाएं दो पाली की हैं पूछने पर 5% शालाएं भी नहीं मिलती थी और इस चक्कर में 95% शालाओं के प्रशिक्षण का समय नष्ट हो जाता था |

Time on Task: अपने शिक्षकों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करें | शाला खुलने एवं बंद होने का समय क्या है ? कुल कितने घंटे रोज शाला लगती है | अब शाला लाहने की कुल अवधि में से कितने घंटे हम कक्षा में बच्चों के साथ रहते हैं ? जब हम बच्चों के साथ रहते हैं, तब वास्तव में कितने समय हम बच्चों को सीखने का अवसर दे रहे होते हैं ? कितने समय बच्चे कक्षा के भीतर या बाहर आपके व्दारा प्लान किए हुए अनुसार वास्तव में कुछ सीख रहे होते हैं ?

यही Time on Task है |

आप अपने संकुल में इस Time on Task को अधिक से अधिक करने के लिए आपस में चर्चा करें | सभी शिक्षक स्वयं अपने आप से चिंतन करें कि वे अपना कितना समय बच्चों को सीखें के लिए दे पा रहे हैं और उसे कैसे बढाया जा सकता है ताकि बच्चे शाला में कुछ बेहतर सीखें |

एजेंडा 4: शिक्षकों की अकादमिक समस्याएं:

जब हम शाला अवलोकन करने हैं, शाला में शिक्षकों को कक्षा अध्यापन करते देखते हैं, शिक्षकों से चर्चा कर उनकी अकादमिक समस्याओं की जानकारी लेते हैं, उनके द्वारा पाठ प्रदर्शन को देखते है या उन्हें HELP BOX में अपनी समस्याओं को लिखकर देने का अवसर देते हैं, तो हमें शिक्षकों की विभिन्न शैक्षिक समस्याओं का पता चलता है।

आपको उदाहरणार्थ कुछ अकादमिक समस्याओं की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। आप अपने संकुल के PLC के सदस्यों को इन समस्याओं को सरलीकृत तरीके से पढ़ाने हेतु तरीके ढूंढे एवं उन्हें पाठ्यक्रम अनुसार प्रतिमाह विषय शिक्षकों के साथ SHARE करने का कोई तरीका ढूंढे।

1. स्थानीय भाषा का ज्ञान का होना।
2. गणित विषय की मूलभूत जानकारी जैसे – लघुत्तम, महत्तम और दशमलव का प्रयोग आदि की जानकारी।
3. सरल विधि से गणितीय संक्रियाओं का प्रयोग।
4. गणित का दैनिक जीवन की प्रक्रियाओं से उपयोग।
5. विज्ञान विषय सिद्धांत को दैनिक जीवन के उदाहरण में प्रस्तुति।
6. विज्ञान का प्रायोगिक ज्ञान नहीं होना।
7. लम्बे समय से प्रयोगात्मक क्रिया से दुर करने के कारण विज्ञान का प्रयोगात्मक शिक्षण नहीं करा पाना।
8. विज्ञान के वैज्ञानिक शब्दावली का सरल शब्दों जो दैनिक जीवन से संबंधित का ज्ञान नहीं होना।
9. श्यामपट पर लेखन संबंधित कार्य से दूर रहेगा।
10. भूगोल विषय का अध्यापन में नक्शे का उपयोग ना करना।
11. नक्शे का ज्ञान नहीं होना।
12. अक्षांश एवं देशांश का उपयोग एवं महत्व की जानकारी नहीं होना।
13. भाशा में मात्राओं (बारह खड़ी) का उपयोग या ज्ञान नहीं होना।
14. छात्र–छात्राओं को प्रश्नोत्तर लिखाने में गाइड का उपयोग करना।
15. स्वंय से उत्तर लिखने की कला का ज्ञान का होना या उपयोग से बचना।
16. उत्तर पुस्तिकाओं की जांच सही ढंग से नहीं करना।
17. समूह शिक्षण की तिथि का ज्ञान ना होना।
18. संस्कृत भाषा के सही उच्चारण की जानकारी या पढ़ाना नहीं आना।
19. पढ़कर पढ़ाने की कला से दूर रहना।
20. नवीन जानकारी का अभाव।
21. विषय को रोचक बनाने हेतु उदाहरणों का अभाव।
22. विषय का ज्ञान छात्र–छात्राओं के स्तर का समझ कर ना देना बल्कि अपने स्तर पर देना।
23. अंग्रेजी विषय में पढ़ना, बोलना एवं लिखने की क्रिया का उपयोग से बचना।
24. पाठ्यक्रम पूरा करने हेतु गणित, खुद बनाना किंतु छात्र–छात्राओं से बनाने का अभ्यास किया से बचना।
25. बैठकर पढ़ाना एवं श्यामपट कार्य से बचना।
26. उच्च एवं कम स्तर से छात्र–छात्राओं की पहचान ना होना एवं दोनों स्तर का साथ में एक की विधि से अध्यापन करना।
27. केवल कक्षा शिक्षण एवं कालखंड तक ही छात्र–छात्राओं से संबंधित रहकर। ताकि समय मैखिक शिक्षा संबंधित कार्य से बचना।
28. खेलकुद से छात्र–छात्राओं के साथ सम्मिलित ना होना।
29. शाला परिसर की स्वच्छता संबंधित कार्य में सहभागिता से बचना।
30. समाजिक विज्ञान में इतिहास संबंधित विषयों का नाटक मंचन कर शैक्षणिक कला का अभाव।
31. इमला (श्रुतलेखन) का कार्य नहीं करना।
32. उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कर होने वाली त्रुटियों संबंधित कापी में नोट नहीं लिखना।
33. प्रशिक्षण में भाग लेने से बचना।

34. प्रशिक्षण में सिखायी गयी विधि का उपयोग नहीं करना।
35. प्रशिक्षण केवल उपस्थित होना पर समग्र सहभागिता का अभाव।
36. आत्म विश्वास की कमी के कारण अधिव्यक्ति का अभाव।
37. बच्चों में भौतिक लेखन को बढ़ावा देने गतिविधियों की जानकारी का न होना।
38. संख्याओं की समझ हेतु विभिन्न गतिविधियों का अभाव।
39. सतत समग्र मूल्यांकन की सही समझ का अभाव।
40. अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से निबंध, पत्र लेखन की क्षमता विकसित न कर पाना।
41. दर्पण से प्रतिबिम्बों के बनने की समझ विकसित नहीं करा पाना।
42. ग्रहण की प्रक्रिया को समझा पाना।
43. मनुश्य के रक्त परिसंचरण तंत्र को समझाना।
44. क्षेत्रफल, घनत्व का मापन करना।
45. पाठ्यपुस्तक के अलावा पुस्तकालय के अन्य संदर्भ सामग्री का उपयोग कर पढ़ाना।
46. कविता, कहानी को सुनकर पढ़कर अभिव्यक्त कर पाना।
47. पाठ को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना।
48. श्यामपट पर स्पष्ट चित्र बना पाना।
49. रंगों की पहचान करना सिखा पाना।
50. Self Introduction कर पाना।
51. समाजिक कुप्रभावों को दुष्परिणामों को समझ पाना।

अगली बार जब आप शाला जाएं, शिक्षकों को पढ़ाते देखें, चर्चा करें तो ऐसी अकादमिक समस्याओं को पहचानने का प्रयास करें। यह आपका प्रमुख कार्य है। आप अपने संकुल में एक HELP BOX भी रखें, जिससे शिक्षक अपनी अकादमिक समस्याएं SLIP में लिखकर डाल सकें। बच्चों की उत्तर पुस्तिकाएं देखकर भी सबसे ज्यादा गलती करने वाले क्षेत्रों की पहचान कर शिक्षकों की समस्याओं की जानकारी ली जा सकती है। ऐसे समस्याओं को अपने PLC के माध्यम से हल करने का प्रयास करें। इनके स्तर पर हल न हो पाने पर इन समस्याओं को अपने जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को देवें, ताकि उनके सहयोग लेकर इन्हें हल किया जा सके। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों को प्रतिमाह ऐसे अकादमिक समस्याओं को प्रेषित कर हल लेने की परंपरा विकसित करें।

आगे भागती तीली:

एक माचिस की तीली के निचले सिरे को थोड़ा सा चीर दो | अब उसमे थोड़ा सा साबुन भर दो | अब यदि इस तीली को पानी से भरी एक थाली में तैराया जाए तो यह आगे की तरफ चलने लगेगी | जैसे जैसे साबुन पानी में घुलता है, वह पानी के सतह-तनाव को नष्ट करता जाता है | इससे पानी के अणु पीछे की ओर भागते हैं और उसकी प्रतिक्रया से तीली आगे की ओर चलने लगती है | (आपने न्यूटन का क्रिया-प्रतिक्रिया वाला तीसरा नियम पढ़ा होगा | यह उसका बढ़िया उदाहरण है |)

एजेंडा 5: अंग्रेजी सीखने की शुरुआत:

कक्षा में अंग्रेजी सिखाने के लिए सबसे सरल एवं आसान संसाधन एक खाली बैग सकता है | इस बैग में अपने आसपास आसानी से उपलब्ध होने वाले सामग्री को एकत्रित करते जाएं | उदाहरण के लिए अलग अलग रंग के उपयोग में लाए गए टूथब्रश, पुराने रंगीन पेन, चाबी ताले, माचिस के बक्से, कंघी, मोज़े, नकली फूल, प्लास्टिक के खिलौने, रबर से बनी छोटी आकृति की सामग्रियां, लकड़ी, मिट्टी से बने विभिन्न आकृतियां आदि आदि | इनमे से कुछ सामग्री दो या अधिक संख्या में हों तो बेहतर होगी क्योंकि उसका उपयोग हम एकवचन बहुवचन (Singular Plural) पढ़ाने में कर सकते हैं | अब इस जादुई बैग के माध्यम से बच्चों को अंग्रेजी सिखाने के लिए गतिविधि तैयार करने के बारे में चर्चा करें | कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार हो सकती हैं:

बस्ते में से किसी एक सामान को दिखाते हुए पूछे- "What is this?" और उनसे पूरे वाक्य में This is a ..... लेने का प्रयास करें |

कक्षा को दो समूह में बाँटते हुए उनके सामने एक के बाद एक सामन निकालने चलें और जो समूह उस सामान का सही नाम पहले बता दे उन्हें पायंट देने का काम करें | इस क्रम को जारी रखें |

इस कार्य को अंग्रेजी के प्रोफेशनल समूह को दें | उन्हें एक ऐसा बैग लेकर आने को कहें जिसमें उनके व्दारा ढेर सारी सामग्री साथ लाई जा सके | अब उनके व्दारा इसका डेमो देने के बाद ऊपर सुझाई गयी दो गतिविधियों के अलावा और भी कुछ गतिविधियाँ आपस में मिलकर तैयार करें | इस प्रकार के बैग सभी शालाओं में रखे जाने की व्यवस्था करें |

बच्चों को अंग्रेजी में बात करने हेतु, उनके झिझक दूर करने हेतु और क्या क्या सरल गतिविधियाँ तैयार की जा सकती हैं ?

आगामी माह में प्रस्तावित कुछ कार्यक्रम:

- दिनांक 11 से 18 जनवरी, 2015 के बीच जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों व्दारा शालाओं का द्वितीय बार निरीक्षण- गत 100 बिन्दुओं वाला भरा हुआ प्रपत्र शाला में रखें और यह देखें कि आपने स्थिति में सुधार कर लिया है अथवा नहीं | गत निरीक्षण में दिए गए सुझावों पर भी अमल की स्थिति देखें |
- सी एवं डी ग्रेड की शालाओं के प्रधानाध्यापकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम: अपने विकासखंड में तीन तीन स्रोत व्यक्तियों का चयन करना होगा | इस प्रशिक्षण के लिए स्रोत व्यक्ति के रूप में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी का चिह्नांकन करना होगा | सभी प्रधानाध्यापक अपने शाला के लिए विजन, मिशन, सुधार की कार्ययोजना, 100 बिन्दुओं का विश्लेषण जैसे कार्य संपन्न कर लेंगे ताकि इस प्रशिक्षण के दौरान वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें |
- सी एवं डी ग्रेड की शालाओं में पढ़ रहे बच्चों की माताओं का शाला अतिरिक्त समय में पढाई में सहयोग हेतु ग्राम स्तर पर चर्चा: इस चर्चा हेतु विस्तार से सामग्री इस अंक में आपको उपलब्ध कराई जा रही है | अपनी अपनी शाला में योजना बनाकर उपयुक्त स्रोत व्यक्तियों का चयन कर माताओं का उन्मुखीकरण संपन्न करवाएं | माताओं को बच्चों की शिक्षा में ध्यान देने के लिए तैयार करने से आपका बहुत सारा काम आसान हो जाएगा | बच्चों को घर पर भी पढने के लिए सहयोग एवं माहौल मिल सकेगा | इसे ध्यान से पूरी मेहनत से सभी को साथ लेकर आयोजन करवाते हुए **उसके फोटोग्राफ अवश्य भेजें** ताकि हम भी आपके प्रयासों को देख सकें |

एजेंडा 6: माताओं का उन्मुखीकरण:

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत बच्चों की शिक्षा में गुणवत्ता लाने हेतु शाला स्तर पर माताओं को जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है | हम यहाँ माताओं के उन्मुखीकरण के लिए कुछ सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं | अपने संकुल की सभी शालाओं में शिक्षकों के माध्यम से किसी एक दिन का निर्धारण कर शाला में आने वाले सभी बच्चों की माताओं को शाला में आमंत्रित कर उनका उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन कर आवश्यक रूप से सूचित करें | शाला से माताओं को सतत रूप से जोड़ने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं करें | इस सामग्री के आधार पर अपने संकुल में स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर कार्यक्रम तय करें | यह कार्य माह जनवरी, 2016 में अनिवार्यतः संपन्न करवाएं |

माताओं को बच्चों की पढाई के लिए तैयार करने हेतु उन्मुखीकरण के अवसर परउपयोग में लाई जाने हेतु सामग्री

माताओं का उन्मुखीकरण क्यों ?

शाला के अलावा बच्चों का सबसे ज्यादा समय अपनी माताओं के साथ बीतता है |
माताएं अपने बच्चों को उनकी पढाई के प्रति जागरूक रख सकती हैं |
माताओं के सहयोग से बच्चों की उपलब्धि में सुधार हो सकता है |
माताओं के सक्रिय रहने से शिक्षकों का कार्य हल्का हो जाता है |

माताओं को शाला में आमंत्रित कैसे करें? उपस्थिति अधिक होने के लिए उपाय?

माताओं को पूरे आदर के साथ आमंत्रित किया जाना होगा |
पूरे कार्यक्रम के दौरान माताओं के समूह को सम्मान एवं पूरा आदर दें |
माताओं को बच्चों के माध्यम से बैठक सह उन्मुखीकरण की सूचना भिजवाएं |
बैठक में सभी माताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने विद्यारथियों को जिम्मेदारी दें |

कार्यक्रम स्थल कहाँ होना चाहिए ? उचित समय कब ?

कार्यक्रम यथासंभव शाला परिसर में ही हो |
बैठने एवं चर्चा के लिए उचित वातावरण हो |
माताओं को उनके बच्चों की कक्षा एवं बैठने के स्थान को दिखलाएं |
बच्चों के बैठने का स्थल, प्रांगण एवं शौचालय आदि साफ़-सुथरे रहने चाहिए |
बच्चों के माध्यम से उनकी माताओं से पूछकर उचित समय का चयन करें |
कामकाजी माताओं की रोजी या काम का नुकसां न हो, इसका ध्यान रखें |

इस अवसर पर बच्चों की ओर से क्या क्या प्रस्तुति हो?

बच्चों को अपनी माताओं की प्रशंसा में कुछ अभिव्यक्ति करने का अवसर देवें |
बच्चों को माताओं के प्रति अपनी भावनाओं को कुछ गीतों के माध्यम से प्रस्तुत करने का अवसर दें |
कुछ गद्य या पद्य को बच्चों को बारी बारी से आकर पढ़ने का अवसर देवें |
बच्चों को पहाडा/ गणितीय संक्रियाएं करके दिखाने का अवसर देवें |
अंग्रेजी में भी बच्चों को कुछ बोलने के अवसर देवें |

माताएं उनके बच्चे पढ़ रहे हैं अथवा नहीं कैसे जान पाएंगे ?

बच्चों की किताबों को पलट कर देखें कि उनमे अभ्यास कार्य किया जा रहा है अथवा नहीं |

बच्चों की कापियों को समय समय पर देखें कि बच्चे उसमे कुछ लिख रहे हैं अथवा नहीं |

बच्चों को समय समय पर शाला में क्या सीखा इसकी जानकारी लेते रहें |

बच्चों से किसी पुस्तक के किसी अंश को पढ़कर सुनाने को कहें |

बच्चों को कोई गणित या पहाडा बोलने को कहें |

इधर उधर जाते समय आसपास होर्डिंग्स या दीवार पर लिखे वाक्यों/ शब्दों को पढ़कर सुनाने को कहें|

माताएं घर पर बच्चों के लिए पढ़ने का माहौल कैसे बना सकेंगी ?

बच्चों को घर पर सीखने के लिए स्थान एवं शांत वातावरण उपलब्ध कराएं |

पढाई के समय हल्ला-गुल्ला या तनाव का वातावरण न बनाएं |

बच्चों की पठन सामग्री एवं पाठ्य-पुस्तकें संभाल कर रखने का स्थान निर्धारित करें|

पढ़ने के लिए समुचित प्रकाश की व्यवस्था करें |

यदि घर पर समुचित स्थान या व्यवस्था न हो तो समुदाय के किसी उपयुक्त स्थान में बच्चों को समूह में बैठकर पढ़ने के अवसर उपलब्ध कराएं |

गाँव में पढ़े लिखे, बेरोजगार या सेवानिवृत्त लोगों की पहचान कर उनसे बच्चों की पढाई में सहयोग ले |

बच्चों की आवश्यकताओं/ कुछ आवश्यक बातों को शिक्षक तक कैसे पहुंचाएंगे ?

यदि आपके बच्चे आपकी बात नहीं मान रहे हैं या पढाई पर ध्यान नहीं दे रहे हैं तो इसकी जानकारी अपने शिक्षक को अवश्य देवें |

जब आपका बच्चा किसी कारणवश शाला नहीं जा पाए तो उसकी सूचना शिक्षक को अवश्य देवें |

यदि आपके बच्चे में कोई स्वास्थ्यगत समस्या हो तो उसकी जानकारी अपने शिक्षक को अवश्य देवें |

बच्चों को नियमित शाला जाना क्यों आवश्यक है? इसके लिए क्या स्थानीय उदाहरण दिया जा सकता है ?

एक दिन हम फसल/जानवर को पानी न दें तो उसकी हालत क्या हो जाती है ? एक दिन यदि आपका बच्चा स्कूल न जाए तो कितना नुकसान हो सकता है ? अगले दिन की बात उसे समझ में नहीं आएगी | फिर आगे लगातार वैसे ही समस्याएँ आएंगी |

यदि शाला में बच्चों को कोई विशेष ध्यान नहीं मिल रहा है तो किनसे शिकायत कर सकते हैं ?

शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों से जिनके नाम शाला की बाहरी दीवार पर लिखें हों |

यदि बच्चों के कार्यों की नियमित जांच नहीं की जा रही है तो संबंधित शिक्षक/ प्रधानाध्यापक से |

यदि शिक्षक समय पर नहीं आते और अपना कार्य ठीक से नहीं कर रहे है |

यदि बच्चे कक्षानुरूप कुछ नहीं सीख पा रहे हैं तो प्रधानाध्यापक/ संकुल समन्वयक से |

आप शाला में शिक्षकों को कैसे सहयोग दे सकते हैं ?

माताएं बच्चों को स्कूल छोड़ने आएं तो शिक्षकों से मिलने का प्रयास करें |

अपने बच्चों को रोज नियमित स्कूल भेजकर |

शिक्षकों से अपने बच्चों की नियमितता एवं प्रगति के बारे में पूछें |

समय समय पर स्वयं कक्षा लेने का प्रयास करें और स्थानीय ज्ञान/ कौशल को सिखाएं |

समुदाय से लोगों को पढाई में सहयोग देने हेतु प्रेरित करें |

शिक्षकों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक सामग्री निर्माण हेतु सामग्री उपलब्ध कराएं |

पुराने अखबार एवं बच्चों की पत्रिकाओं को शाला में उपलब्ध कराएं |

बच्चों से भावनात्मक लगाव कैसे बना सकती हैं ?

बच्चों से स्कूल में होने वाली गतिविधियों की जानकारी लें |

बच्चों के स्वास्थ्य, खान-पान की जानकारी नियमित रूप से लेते रहें |

बच्चों से उनके दोस्तों के बारे में भी पूछें |

बच्चों को समय समय पर कहानी सुनाएं और उनसे भी कहानी सुने |

बच्चों को बड़े होकर क्या बनाना है, सपना देखने को कहें |

बच्चों को हमेशा प्रश्न पूछने विशेषकर **क्यों?** वाले प्रश्न अवश्य पूछने को प्रोत्साहित करें |

बच्चों से उनके आसपास के बारे में पूछें एवं चर्चा करें |

बच्चों के मन की बात बोलने एवं सुनने का अवसर अवश्य प्रदान करें |

माताएं बच्चों से किस प्रकार के प्रश्न पूछ सकती हैं ?

आज क्या पढाई हुई ? शिक्षक रोज आ रहे हैं ? तुमको सब समझ में आ रहा है ?

रोज स्कूल जा रहे हो ? आज क्या गृहकार्य मिला ? तुम बड़े होकर क्या बनना चाहते हो?

माताएं शाला में क्या क्या देख सकती हैं ?

कक्षा की पढाई/ बच्चे सीख रहे हैं या नहीं ? पुस्तकालय/ वाल पेपर का उपयोग/ प्रार्थना के समय का उपयोग/ शाला में पढाई का माहौल/ अनुशासन/ मध्याह्न भोजन / स्वच्छ्ता/ सहायक शिक्षण सामग्री

गाँव ने माताओं का दल बनाकर उनके माध्यम से क्या क्या कार्य किया जा सकता है ?

शाला का समय-समय पर अवलोकन/ शाला के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना/ क्षेत्र के ऐसे लोगों की पहचान हो शिक्षा ने सहयोग दे सके / शाला अवधि के बाद बच्चों के पढाई की व्यवस्था एवं पढने हेतु स्थान / शाला के बेहतर संचालन के लिए आवश्यकता की मांग को लेकर संबंधित के पास जाना

कैसे इस दल को हमेशा सक्रिय रखा जा सकता है ?

अपने स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर सोचें और कार्यान्वित करें |

बेहतर कार्य कर रही माताओं / दल को कैसे प्रोत्साहित किया जा सकता है ?

स्थानीय सशक्त महिलाओं के उदाहरण दें और इनके व्दारा किए जा रहे अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करने की आवश्यक व्यवस्था करें |

एजेंडा 8: चलो उडिया सीखें:

भारत सरकार व्दारा विभिन्न राज्यों के बच्चों को एक दूसरे राज्यों की भाषा और संस्कृति से परिचय कराते हुए सामाजिक सौहाद्र का माहौल बनाने के लिए अन्य राज्यों की भाषा सीखने का सुझाव दिया है | इस योजना के तहत प्रतिवर्ष एक नई भाषा सीखने का अवसर बच्चों को प्रदाय किया जाएगा | इस हेतु आवश्यक सामग्री तैयार की जाते हुए व्यवस्था की जा रही है | वर्तमान में चर्चा पत्र के माध्यम से महासमुंद जिले के श्री ओमनारायण शर्मा ने पहल करते हुए बी.आर.सी.सी. सरायपाली- श्री ललित साहू, श्री द्वारिका पटेल, श्री गजानंद साहू, श्री प्रदीप कर, श्री किशोर रथ, श्री जगदीश भोई एवं श्री सुकान्ति मिश्रा के सहयोग से यह सामग्री भेजी जा रही है | आप अपने संकुल में उडिया भाषा के जानकार शिक्षक को यह कार्य सौंपते हुए उनके माध्यम से सारे शिक्षकों को कुछ सामान्य जानकारी से अवगत कराएं | शासन के मंशानुरूप आपके संकुल के कक्षा एक से बारह तक के सभी बच्चों को उडिया भाषा की सामान्य बोलचाल की भाषा से रोचक तरीके से सिखाने का प्रयास करें | ध्यान रहे कि इसमें कोई परीक्षा नहीं लेनी है |

उड़िया भाषा सामान्य बोल चाल की शब्दावाली (सम्बलपुरी)

d-	fgUnh	mfM;k
i<u fy[ku l lcf/kr oLr,a		
1	पुस्तक	बही
2	कापी	खाता
3	टाटपट्टी	दरी
4	कुर्सी	चौकी
5	पेन्सिल	सीसा
[kku ihu dh oLrq,a		
1	चांवल	चाऊल
2	दाल	डाली
3	सब्जी	तरकारी
4	फूलगोभी	फुलकुबी
5	पत्तागोभी	बंधाकुबी
6	मूली	मूला
7	प्याज	उएल
8	बैगन	वाइगन
9	मिर्च	लेका
10	भिण्डी	मेडी
11	बरबट्टी	झूलेर
12	दूध	गोरस
13	केला	कदली
14	भाजी	साक
vU;		
1	पेड़	गछ
2	नाखून	नख
3	कपड़ा	बसन
4	वजन	ओजन
5	शरीर	शकल

d-	fgUnh	mfM;k
fxurh		
1	एक	एक
2	दो	दुई
3	तीन	तीनी
4	चार	चारी
5	पांच	पांच
6	छः	छअ
7	सात	सात
8	आठ	आठ
9	नौ	नौअ
10	दस	दशम
11	ग्यारह	एगार
12	बारह	बार
13	तेरह	तेरअ
14	चौदह	चौउद
15	पन्द्रह	पन्दर
16	सोलह	सोलअ
17	सत्रह	सत्तर
18	अठारह	अठरह
19	उन्नीस	उनीस
20	बीस	कोडिए
vU;		
6	दवाई	औषध
7	सुबह	सकाल
8	रात्रि	राति
9	मुंह	मुख
10	व्यायाम	साधना

d-	fgUnh	mfM;k
tho tkuoj		
1	जानवर	पशु
2	बिल्ली	विलेई
3	कुत्ता	कुकुर
4	गाय	गाई
5	तोता	सुआ
6	कबुतर	चारा
7	बकरी	छेली
8	मुर्गा	कुकुड़ा
9	भैंस	भंईस
10	शेर	बाघ
11	हाथी	हाती, अइरावत
12	सर्प	सांप
13	मक्खी	माछी

mfM;k Hkk"kk lkekU; ckypky dh 'kCnkoy lEcyijh

d:-	fgUnh	mfM;k	d:-	fgUnh	mfM;k
1	नमस्कार	जुहार	18	बड़ो को नमस्कार	बड़ लुकु जुहार
2	क्या आप अच्छे से हैं	तुमे भल त अछ	19	घर सुन्दर है	घर टा भल अछे
3	मुझे भुख लग रही है	मते भोख लागुछे	20	मुझे बुखार है	मते जर आनु छें
4	मैं पढ़ना चाहता हूं	मुईं पढ़बार चाहुछें	21	मुझे अच्छा नही लग रहा है	मते भल ने लागबार
5	मैं खेल रहा हूँ	मुईं खेलुछें	22	मेरे मामा की शादी है	मोर मामूर बिहा अछे
6	क्या कर रहे हैं	काणा करूछ	23	मुझे शादी घर जाना है।	मते बिहा घर जिबार अछे
7	कितने दूर में है ?	केते दूरे अछे	24	लड़की बहुत सुन्दर है	टुकेल टा बहुत भल अछे
8	हमारे जिले का नाम महासमुन्द है	हामर जिला र नाम महासमुन्द आए	25	मैं आपको पसंद करता हूँ	मुईं तुमकु भल पाउछें
9	मुझे स्कूल जाना है	मते स्कूल जिबार अछे	26	चलो खेलते हैं	चाल खेलमां
10	हमारे स्कूल में मध्यान्ह भोजन खिलाया जाता है	आमर स्कूलें मध्यान्ह भोजन करासन	27	मेरे पास कम्प्यूटर है	मोर नूं कम्प्यूटर अछे
11	मुझे पढ़ाई मे अच्छा लगता है	मते पढलें भल लागसी	28	मेरे पिताजी शिक्षक हैं	मोर बापा मास्टर आन
12	शौच के बाद हाथ धोना चाहिए	बहारके परे हाथ धुईबार चाही	29	मेरी मां गृहणी हैं	मोर मां टा घरर कबार देखसी
13	मुझे चाय पीनी है	मुई चाहा पी मीं	30	मुझे पानी पीना है	मते पाएन पीबार अछे
14	ये मेरा भाई है	ईटा मोर भाई आए	31	स्कूल जा रहा हूं	पाठशाला कु जीबा
15	आप अच्छे आदमी नही हो	तुमे भल लोग नुहे	32	पढ़ने लिखने में ध्यान दो	लेखा पढ़ा रे दिय मन
16	मुझे किताब चाहिए	मते पुस्तक दरकार अछे	33	नल का पानी पीना चाहिए	नल कुप जल कर पान
17	मेरा गांव महासमुन्द है	मोर गां टा महासमुन्द आए	34	झूठ मत बोलो सत्य बोलो	मीछ न कही सत कुह
	हिन्दी से उड़िया			**हिन्दी से उड़िया**	
1	बैठ जाओ ।	बसी जा ।	6	लाइन में बैठों ।	धारें बसी ज ।
2	खड़े हो जाओ ।	ठिया ह ।	7	कल कैसे नहीं आए थे ?	कैल केन्ता नै आसि थाई ?
3	पुस्तक खोलो ।	बही खुल ।	8	गृहकार्य करके लाए हो ।	गृह कार्ज करि करी आसी छ।
4	चुप रहो ।	चुप था ।	9	आज हम कविता पढेंगे ।	ऐज आम्हे कविता पढ़मा ।
5	प्रार्थना के लिए लाइन से खड़े हो जाओ।	प्रार्थना लागी धारें ठिया ह।	10	क्या खाकर आए हो ?	काला खेई करि असि छू ?

	हिन्दी से उड़िया			हिन्दी से उड़िया	
11	आज तुमको कैसा लग रहा है ?	ऐज तते केन्ता लागु छे ?	31	कौन सा चित्र बनाएंगे ।	कैं चित्र बनामा ।
12	मेरा पाठ कैसा लगा ?	मोर पाठ केन्ता लागला ?	32	घंटी बजाओ ।	घंटी बज ।
13	आज तुम्हारा मूड कैसा है ?	ऐज तोर मन केन्ता अछे ?	33	पिकनिक पर जाएंगे ।	पिकनिक के जिमा।
14	चुप रहो ।	चुप था ।	34	घर पर पढाई करो ।	घरे पढ़ा कर।
15	आज क्या पढ़ना चाहते हो ?	आज काणा पढ़बार चैहसु ?	35	आज कौन सा दिन है ?	ऐज कैं दिन ऐ ?
16	कौन इस सवाल का जवाब देगा ।	किये इ प्रश्न र उत्तर देबा ।	36	बहुत अच्छे !	बहुत भल! (बढ़िया)
17	आज स्कूल आते समय क्या क्या देखे ?	एज स्कूल आयला बेलके काणा काणा देखिछु ?	37	आज बहुत सुन्दर लग रहे हो ।	ऐज बहुत भल लागुछु ।
18	नाखून दिखाइये ?	नख देखा ?	38	शाबास ! बहुत बढ़िया !	शाबास बहुत ! बढ़िया !
19	आज किसका जन्मदिन है ।	ऐज काहार जनम दिन अछे।	39	तुम्हारी लिखावट अच्छी है ।	तोर लिखबार टा बने अछे ।
20	हाथ धोकर भोजन करिए ।	हाथ धुई करि खाना ख।	40	आज तुमने बहुत अच्छी कविता कही ।	ऐज तुईं बहुत अच्छी कबिता कहैलु।
21	चप्पल को लाइन से जमाओ ?	चपल मानकू धारें रख ?	41	आज तुमको क्या हो गया ?	ऐज ततो काणा हेला ?
22	कल कहाँ गए थे ?	कैल केनके जेइ थिलु ?	42	रोना नहीं है ।	कन्दबार नै न ।
23	इतने दिन कहा गए थे ?	एतकी दिन केहीं जेई थिलु ?	43	तुम इतने उदास क्यों हो ।	तुई एतकी उदास कांजे अछु ।
24	कल के पाठ को पढ़कर आए हो ?	कल्हिर र पाठ पढ़ि करि आसिछ ?	44	चलो पेड़ लगाए ।	चाल गछ जगामा ।
25	साफ़ सुथरे रहो ।	सफा होई रह ।	45	ताली बजाओ ।	ताली बज ।
26	लड़ाई झगड़ा मत करो ।	गाली झगर ने कर ।	46	चलो स्कूल की सफाई करते हैं ।	चाल स्कूल के सफा करमा ।
27	तेल कंघी करके आओ ।	तेल पनिया करि करि आस ।	47	आज सामान्य ज्ञान का पाठ पढेंगे ।	ऐज सामान्य ज्ञानर पाठ पढ़मा ।
28	रोज नहाकर आओ ।	रोज गाधि करि आस।	48	अब हिन्दी की किताब खोलो ।	एथरू हिन्दी बही खुल ।
29	चलो कहानी सुनेंगे ।	चाल कथेन सुनमा ।	49	अभी कौन सा पीरियड है ।	इहादे कैं पिरियड अछे ।
30	चलो गीत गाएंगे ।	चाल गीत गायमा ।	50	चलो छुट्टी हुई ।	चाल छुट्टी हैई गला ।

एजेंडा 9: पाठ योजना बनाना: सुझावात्मक प्रारूप

(किसी एक पाठ/ दक्षता को जितने दिनों तक पढ़ाना हो उसके अनुसार दैनिक या साप्ताहिक योजना)

कक्षा: विषय: तिथि: कालखंड:

पाठ: दक्षताएं:

बिंदु	विवरण	समीक्षा
विशिष्ट उद्देश्य		
सीखने –सिखाने की प्रविधि		
शिक्षक नोट्स (सहायक सामग्री / कोई और अतिरिक्त सूचना)		
विषयवस्तु (पाठ का सार/ सारांश)		
प्रस्तावना/ वार्म अप गतिविधियाँ		
कक्षा में फोर्मेटिव मूल्यांकन		
कक्षा कार्य/ गृह कार्य		
मूल्यांकन प्रक्रिया कमजोरी के क्षेत्रों का उपचार		
शंका/ अवधारणाएं जिन्हें स्पष्ट करना पड़ सकता है और स्पष्ट करने हेतु योजना		

योजनानुसार अधिगम आउटकम की प्राप्ति- कक्षा अध्यापन के बाद आप यह घोषणा करें की आपकी कक्षा में आपने -

१. मेरी कक्षा के बच्चों को मैंने ..... पाठ/ दक्षता का अध्यापन कर लिया है |
२. मेरी कक्षा के ऐसे बच्चों जिन्हें ---------- समझने में दिक्कत आई को भी मैंने अब सिखा दिया है |
३. मेरी कक्षा के ..... बच्चों को उनके सहपाठियों की मदद से/ अतिरिक्त समय देकर सिखाने का प्रयास कर रहा हूँ

शिक्षक: प्रधानाध्यापक:

एजेंडा 10: चित्र पर चर्चा:

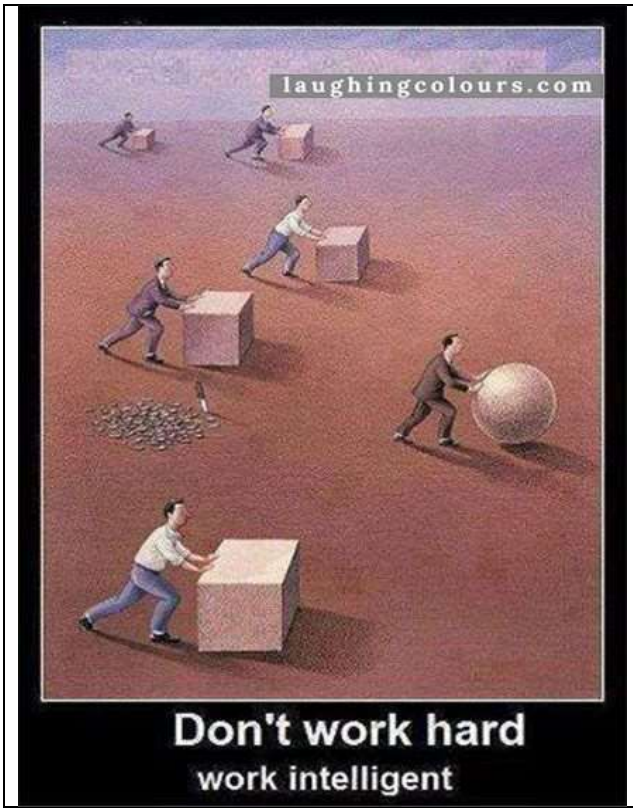

इस चित्र को दिखाकर अपने संकुल के शिक्षकों के साथ चर्चा करें | इस बात पर राय बनाए कि बहुत ज्यादा काम करना/ मेहनत करना और स्मार्ट तरीके से काम कर काम को अंजाम तक पहुंचाने- दोनों में से कौन सा अच्छा है ?

चित्र में लोग वर्गाकार गुटकों को बहुत मेहनत कर आगे ले जा रहे हैं | एक स्मार्ट व्यक्ति थोड़ा अतिरिक्त समय वर्ग को छिलकर गोलाकार बनाने में लगा रहा है जिससे सामग्री को खिसकाना बहुत आसान हो जाता है |
हम बच्चों के साथ उन्हें कुछ सिखाने के लिए खूब मेहनत करते हैं |
हम ठोस योजना बनाकर बच्चों के साथ इस प्रकार काम करते हैं कि बहुत कम मेहनत से बच्चे अपने आप सीखने लगते हैं |
एक तीसरी स्थिति शोर्ट कट से बच्चों को पास करने की है |
चर्चा करें कि कौन सी स्थिति अच्छी है और संकुल में काम करने के स्मार्ट तरीके क्या क्या हो सकते हैं ?

Kids on Picnic:

We had gone to a picnic,
Where we met Mr. Dominic
There we have flied kites,
That too in so much of height.
We have played a lot in the garden,
With the company of our warden
We played with clay thereby,
In the shore of the river nearby.
There in the picnic spot,
We found sellers of pots,
Some one brought an ewer,
That kind not seen ever.
As the lunch time passed on,
We did eat food in the noon.
After that we had taken rest,
Under the shade of trees the best.
In the fake light of sun,
We played with great fun,
Played a lot in the garden,
For our mischief, if any, let us, pardon.

-R. MURALEEDHARAN
96301 99911

इस कविता को अपने संकुल के अंग्रेजी विषय के पी.एल.सी सदस्य को देते हुए उनके माध्यम से इस कविता का सभी शिक्षक साथी आनन्द लें | अपने साथियों को ऐसी और कवितायेँ लिखने को प्रेरित करें | बच्चों को भी कुछ लाइन लिखने हेतु प्रोत्साहित करें | आपको यदि कविता के बारे में कवि से कुछ जानकारी लेनी हो तो उनसे उनके मोबाइल पर भी संपर्क किया जा सकता है |

कृमि से मुक्ति, बच्चों को शक्ति

क्या आप जानते हैं कि कृमि संक्रमण से बच्चों में:

- कुपोषण और खून में कमी होती है, जिसके कारण हमेशा थकावट रहती है
- संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा आ सकती है

कृमि संक्रमण से बचाव के लिए ध्यान दें

10 फरवरी 2016 –राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

ध्यान दें:

- स्कूल में 6–19 साल के सभी बच्चों को **10 फरवरी 2016** को कृमि नियंत्रण की दवाई अवश्य खिलवाएं
- 6–19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी दवाई आगंवाड़ी केन्द्र पर जरूर खिलवाएं
- जो बच्चे छूट गए हैं उन्हें **15 फरवरी 2016** को दवाई जरूर खिलवाएं
- अधिक जानकारी के लिए अपनी ए.एन.एम/ मितानीन/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क करें
- यह दवाई बच्चों और बड़ो के लिए सुरक्षित है
- किसी भी आपातकालीन स्थिति में अपने नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें या 108 संजीवनी फोन करें अथवा 104, आरोग्य सेवा से जानकारी प्राप्त करे ।

Evidence Action